''तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम – दिल्ली''

दिल्ली की ठिठुरती सर्द सुबह में सुनहरा सूर्योदय – अंहिसा जगत के अंशुमाली आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी के मंगल आशीर्वाद से तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम – दिल्ली चेप्टर के एक दिवसीय कान्फ्रेंस का शुभारम्भ हुआ। शासनगौरव मुनि श्री ताराचन्द जी स्वामी मुनिश्री सुमति कुमार जी के पावन सानिध्य में महरोली तेरापंथ भवन के महाप्रज्ञ सभागार में यह भव्य कार्यक्रम आयोजित था। अच्छी संख्या में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ तथा अनेक क्षेत्रों के प्रोफेशनल उपस्थित थे। सौभाग्यवश समाज का शुभ भविष्य किशोर मण्डल व कन्यामण्डल के दो दिवसीय शिविर के संभागी भी उद्घाटन सत्र में उपस्थित थे। इस सत्र का कार्यक्रम का शुभारम्भ शासन–गौरव मुनि श्री ताराचन्द जी स्वामी के नमस्कार महामंत्र से हुआ। मंगलाचरण दिल्ली कन्यामण्डल की सुश्री खुशबू चोरड़िया, सृष्टि सुराणा, पिंकी बैद एवं निलीमा नाहटा ने किया। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम दिल्ली की ओर से स्वागत का दायित्व श्री संजय चोरड़िया ने निभाया। श्री सलिल लोढ़ा (टी.पी.एफ. राष्ट्रीय सह संयोजक) ने फोरम के उद्देश्य तथा जयपुर व लाडनू दोनों कान्फ्रेस की एक झलक से सभी को रूबरू करवाया।

नचिकेता बालमुनि आदित्य कुमार जी ने सुमधुर गीतिका प्रस्तुत की। मुनि श्री देवार्य कुमार जी ने अपने प्रबुद्ध प्रवचन में शिविरार्थियों को शिविर में प्राप्त शिक्षाओं को जीवन में उतारने का सन्देश दिया तथा प्रोफेशनल्स को महीने में एक दिन संघीय सेवा में लगाने की प्रेरणा दी। मुनिश्री सुमति कुमार जी ने प्रेरक प्रवचन में कहा कि आप तेरापंथ की प्रोफेशनल संपदा हो। सलक्ष्य आपको जीवन में जैन विद्या का विकास करना है तथा अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर जैन धर्म का प्रतिनिधित्व करने की अर्हता प्राप्ति की दिशा में अग्रसर होना है। शासन गौरव मुनि श्री ताराचन्द जी स्वामी ने संभागियों को अभिप्रेरित करते हुए फरमाया कि तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम का यह शैशवकाल है। शैशवकाल निर्दोष होता है जिससे उज्ज्वल भविष्य की कल्पना की जा सकती है। आपका जीवन अध्यात्म प्रधान हो इस विषय पर अवश्य चिन्तन करें।

तेरापंथ टाइम्स के कार्यकारी संपादक, प्रखरवक्ता श्री प्रमोद घोड़ावत ने प्रभावी शैली में वक्तृत्व कला विकास के सूत्र प्रस्तुत किये। इस अवसर पर स्वामी धर्मानन्दजी व डॉ. ए.सी. मनचन्दा का सम्मान दिल्ली सभा के अध्यक्ष श्री विमल सुराणा, युवक परिषद के अध्यक्ष श्री राजेश बरड़िया व महिला मण्डल अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा ने किया। श्रीमती सुमन नाहटा ने अपने विशेष वक्तव्य में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के आयोजकों को बधाई तथा सफलता हेतु शुभकामनाएं देते हुए सभी के समवेत श्रम का आभार अभिव्यक्त किया। इस गरिमामय कार्यक्रम में अनेक विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित थे। अखिल भारतीय अणुव्रत न्यास के चीफ ट्रस्टी श्री धनराज बोथरा, फ्यूरेकर के चेयरमेन श्रीमांगीलाल सेठिया, महासभा के विसर्जन प्रभारी श्री सुखराज सेठिया, अ.भा.ते.यु.प. वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री संजय खटेड़, पश्चिम विहार सभामंत्री श्री नवनीत दूगड़, गांधीनगर सभामंत्री श्री गौतम डूंगरवाल – ते.यु.प. दिल्ली मंत्री अभयसिंघी।

मुनिश्री मंगल पाठ के तुरन्त पश्चात् कोलकाता से समागत डॉ. राज सेठिया का ''ट्रांसफोर्मिंग रोल ऑफ तेरापंथ प्रोफेशनल'' विषय पर महत्वपूर्ण वक्तव्य हुआ जिसे सभी संभागियों ने एन्जॉय किया। तत्पश्चात् भोजनावकाश में परस्पर पचिय के साथ भोजन का आनन्द लेकर शीघ्र द्वितीय सत्र के लिए सभी पुनः महाप्रज्ञ हाल में एकत्र हो गये।

द्वितीय सत्र का शुभारम्भ श्री सलिल लोढ़ा द्वारा टी.पी.एफ. के प्रोजेक्ट्स की जानकारी प्रदान करने से हुआ। ग्रुप डिस्कशन हेतु डॉ. सेठिया ने मार्ग–दर्शन किया। सभी संभागी अपने–अपने पसन्द के विषय वाली राउन्ड टेबल के चारों तरफ लगी कुर्सियों पर बैठ गये। करीब आधे घंटे के चिन्तन मनन से अनेकों निष्कर्ष सामने आये। केरियर काउन्सलिंग के नेशनल हेड प्रकाश नाहटा तथा फड एरेन्जमेन्ट के नेशनल हेड श्री मानवर्धन बैद ने अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये।

मुनिश्री सुमति कुमार जी एवं देवार्य मुनि के सानिध्य में अब प्रश्नमंच का आयोजन था। डॉ. एस.एम. सुराना का प्रश्न था हम सब तेरापंथियों में इगो ज्यादा क्यों होता है ? डॉ. सरोज मालू का प्रश्न था पर्व तिथियों पर ही हरियाली के सोगन क्यों रखे क्या सब्जियों को सुखाते हुए पाप नहीं लगता क्या, फिर हम हरी सब्जियां ही क्यों न खा लें ? एडवोकेट जया राखेचा ने बाल दीक्षा व संथारे से संबंधित तेरापंथ के मत की जानकारी चाही। एक सी.ए. का प्रश्न था कि ऑडिट करते हुए कम्पनी की सारी स्थितियां हम समझ जाते हैं किन्तु फिर भी हम उसे सही ठहराते हुए अपने साइन करते हैं इन परिस्थितियों में हमारे कैसे कर्मों का बंधन होता है ? कहीं ये निकाचित कर्म तो नहीं ? इनसे कैसे बचा जा सकता है ? श्री संजय चोरड़िया ने मूर्ति पूजा, याचना, प्रार्थना, दान व सेवा पर आचार्य भिक्षु के सिद्धान्तों को जानने की जिज्ञासा व्यक्त की। मुनि श्री सुमति कुमार जी व मुनि श्री देवार्य कुमार जी ने भिक्षु दर्शन की गहराई संग सभी जिज्ञासुओं की समस्याएं समाहित की। इस सत्र का कुशल संचालन श्रीमती हेमा चोरड़िया ने किया।

महावीर अष्टकम के प्रथम पद से अन्तिम तीसरे सत्र का शुभारम्भ इस सत्र की संचालिका एकता कुंडलिया ने किया। श्री सलिल लोढ़ा ने टी.पी.एफ. दिल्ली चेप्टर के संयोजक के रूप में श्री संजय चोरड़िया की नियुक्ति की उद्घोषणा की तथा आयकर आयुक्त श्री के.सी. जैन को परामर्शक हेतु निवेदन किया इस सत्र में अनेकों महत्वपूर्ण वक्तव्य व सुझाव प्रस्तुत किये। आई.सी.ए.आई. के चेयरमेन श्री विनोद जैन ने टी.पी.एफ. दिल्ली को बधाई देते हुए भविष्य में सहयोग हेतु स्वयं को प्रस्तुत किया। एडवोकेट हरीश आंचलिया ने ''हाउ मेनी डेज इन ए इयर एवरी प्रोफेशनल डिवोट टू तेरापंथ'' विषय पर बोलते हुए पयुर्षण पर्व के दस दिन बूचड़खाने बन्द करवाने हेतु दिल्ली व राजस्थान के प्रतिनिधियों का आह्वान किया। डॉ. कुचेरिया ने डाक्टर्स सोशियल कन्ट्रीब्यूशन टू सोसायटी विषय पर अपने विचार रखे।

सी.ए., सी.एस. अभय चिण्डालिया ने जे.वी.बी. यूनिवर्सिटी – ''प्रोस्पेक्ट टू ओपन केम्पस इन एन.सी.आर.'' विषय पर बोलते हुए तीन एकड़ में तेरह करोड़ की राशि से जै.वि.भा. संस्थान की शाखा ग्रेटर नोएडा में खोलने की परियोजना प्रस्तुत की। डॉ. कुसुम लुनिया ने ''रोल ऑफ जेनिज्म इन ए प्रोफेशनल लाइफ'' विषय पर अभिव्यक्ति दी। श्री के.सी. जैन ने मेधावी छात्र प्रोत्साहन परियोजना के अन्तर्गत बड़े शहरों में केरियर काउसंलिंग हेतु टी.पी.एफ. के प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील की। अन्त में आभार ज्ञापन श्री सुनील भंसाली ने किया।

इस एक दिवसीय कान्फ्रेंस की एक विशेषता यह भी रही कि रजिस्ट्रेशन से लेकर मंच संचालन तक का दायित्व निर्वहन महिलाओं व कन्याओं ने सफलतापूर्वक किया। हरीश जैन, राजेश बैंगानी, आदित्य बांटिया, अवन्तिका राखेचा, सिद्धार्थ बैद, ऋषि जैन, सुप्रभा सेठिया, मुदित जैन हिम्मत राखेचा, नवनीत दूगड़ आदि कार्यकर्ताओं का भी विशेष सहयोग रहा। इस प्रकार आंखों में नए स्वप्न मन में नया संकल्प व दिल में मधुर यादें लिए एक दिवसीय कान्फ्रेंस का सानन्द समापन हुआ।